संगोष्ठी उप-विषय

- पण्डित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन व समग्र विकास
- अंत्योदय की अवधारणा व राम राज्य
- अंत्योदय व कल्याणकारी राज्य
- एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय तथा पूर्ण विकसित भारत का लक्ष्य
- पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों का भारत @2047
- केन्द्र सरकार की योजनाएँ और अंत्योदय
- एकात्म मानव दर्शन और एक आदर्श राज्य की कल्पना
- पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी के विचार विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के अधिष्ठान के रूप में
- स्वाधीनता का अमृत महोत्सव और पण्डित दीनदयाल उपाध्याय का स्वप्न
- आर्थिक लोकतंत्र व अंत्योदय
- सतत व समग्र विकास तथा दीनदयाल उपाध्याय का दर्शन
- 'हर हाथ को काम और हर खेत में पानी' : पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की संकल्पना
- पण्डित दीनदयाल उपाध्याय की अन्त्योदय अवधारणा का व्यवहारिक पक्ष
- पण्डित दीनदयाल उपाध्याय का आर्थिक-सामाजिक दर्शन व पूर्ण विकसित भारत @2047
- योग: स्वस्थ एवं कुशल भारत के लिए

उप विषयों के अलावा मुख्य विषय को रेखांकित करते हुए शोध पत्र आमंत्रित हैं। शोध पत्र का प्रारूप: शीर्षक, शोधार्थी का नाम, पद, स्थान, ईमेल, संपर्क, शोध सारांश, मुख्य शब्द, परिचय, शोध उद्देश्य, परिकल्पना, साहित्य समीक्षा, शोध प्रश्न, अध्ययन, निष्कर्ष, समाधान एवं संदर्भ इत्यादि से परिपूर्ण हों। शोध पत्र हिन्दी-अंग्रेजी मे आमंत्रित हैं।
हिन्दी फोन्ट युनीकोड वर्ड फ़ोंट (साइज़ 10) व अंग्रेजी टाइम्स न्यू रोमन फोन्ट (साइज़ 12) हो।

संगोष्ठी के उद्देश्य

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली द्वारा अनुदानित तथा हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन केन्द्र व आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी महान दार्शनिक पण्डित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मावनदर्शन एवं अंत्योदय: आर्थिक लोकतंत्र, सतत् विकास व समग्र विकास भारत की स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव एवं पूर्ण विकसित भारत का लक्ष्य @2047 अभियान को समर्पित है। अपना राष्ट्र सतत् प्रगति पथ पर अग्रसर है। राष्ट्र के कालजयी महापुरुषों जैसे दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों पर चल कर भारत किस तरह से समग्र और भारतीय टिकाऊ विकास के लक्ष्य को प्राप्त करे तथा सही अर्थों में पूर्ण विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करें, यही संगोष्ठी का हेतुक है। संगोष्ठी के माध्यम से देश भर के विद्वान, शोधार्थी और चिन्तक एकत्र होकर विषय पर चर्चा-परिचर्चा करते हुए बहुमूल्य सुझाव दें और उनकी मेधा संगोष्ठी के लक्ष्य को फलीभूत करें, यह भी उद्देश्य है।

विषय

महान दार्शनिक पण्डित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन एवं अंत्योदय: आर्थिक लोकतंत्र,सतत् व समग्र विकास का पथ

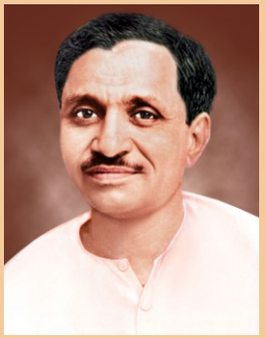

समय- प्रातः 9 बजे से
स्थान- विश्वविद्यालय सभागार, परिसर-I
ऑनलाइन पंजीकरण प्रारम्भ तिथि – 17 फरवरी, 2024
शोध पत्र सारांश भेजने की अन्तिम तिथि – 25 फरवरी, 2024
शोध पत्र प्राप्ति की अन्तिम तिथि – 08 मार्च, 2024

शुल्क

प्राध्यापक व व्यवसायी - 1000 रुपये
शोधार्थी- 500 रुपये
विद्यार्थी- 300 रुपये
केवल प्रतिभागिता-200 रुपये

प्रतिभागी मौके पर भी पंजीकरण करते हुए शोध पत्र और शुल्क जमा कर सकते हैं।

शुल्क जमा करने का एकाउंट

बैंक नाम-केनरा बैंक
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला
खाता संख्या- 2062101012323
आईएफएससी कोड- CNRB0002062
MICR CODE-176015052
केनरा बैंक,कोतवाली बाजार,धर्मशाला,हिमाचल प्रदेश-176215

पंजीकरण लिंक - https://forms.gle/LSNLUNnkjNxNrgQMA

पंजीकरण शुल्क विवरण व शोध सारांश इस ईमेल पर भेजें
seminarddu36@gmail.com

शोध पत्र इस ईमेल पर भेजें
dduseminarcuhp@gmail.com

पंजीकरण,शुल्क, शोध सारांश व शोध पत्र संबधी जानकारी हेतु संपर्क सूत्र
मोबाइल नंबर- 82199 80281
डॉ सुनीता (सहायक आचार्य)

पंजीकरण शुल्क मे किट,भोजन,जलपान शामिल है।आवास के लिए अलग से शुल्क देना होगा।आवास शुल्क एवं किसी भी जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें
डॉ चंद्रशेखर- 9289040134 (सहायक आचार्य)
श्री करतार सिंह- 8219957091 (सहायक आचार्य)

आमंत्रण

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला

प्रो. सत प्रकाश बंसल जी
माननीय कुलपति
मुख्य संरक्षक

दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन केन्द्र
एवं
आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)
के संयुक्त तत्त्वावधान में

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद्
नई दिल्ली

द्वारा प्रायोजित
दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी **18-19 मार्च 2024** में आप सादर आमंत्रित हैं।

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

इस विश्वविद्यालय की स्थापना संसद द्वारा अधिनियमित केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 (2009 की संख्या 25) के तहत की गई है। विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा वित्त पोषित और विनियमित है। 20 जनवरी 2010 को प्रथम कुलपति द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही विश्वविद्यालय क्रियाशील हो गया था। विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति तथा अनेक अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित प्रो. सत प्रकाश बंसल जी के कुशल नेतृत्व में विश्वविद्यालय को 2023 मे यू जी सी की नैक समिति द्वारा 'A+' ग्रेड देकर विश्वविद्यालय की शोध, शिक्षण, सामुदायिक गतिविधियों तथा अन्य रचनात्मक उपलब्धियों को प्रामाणिकता से रेखांकित किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को किसी केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा पहली बार तथा पूरी तरह से क्रियान्वित करने का श्रेय भी इसी विश्वविद्यालय को जाता है। विज्ञान, प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान, वाणिज्य, खेल एवं शारीरिक शिक्षा,भाषा, पर्यावरण, ललित कला विभाग तथा विभिन्न शोध व अध्ययन केन्द्र विश्वविद्यालय को अलंकृत करते हुए निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है।

दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन केन्द्र

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के अनेक शोध एवं अध्ययन केन्द्रों में दीनदयाल उपाध्याय अध्ययन केन्द्र का प्रमुख स्थान है। सन् 2019 में अपनी स्थापना काल से ही केन्द्र लगातार नूतन उंचाइयों की दिशा में अग्रसर है। केन्द्र में एक वर्षीय पी.जी. डिप्लोमा और पी.एच.डी.कोर्स संचालित हैं जिनके माध्यम से राष्ट्र और समाज की भावी पीढ़ी महान दार्शनिक और चिन्तक दीनदयाल उपाध्याय जी के विचारों को न केवल अंगीकार कर रही है बल्कि उनके विचार व दर्शन को यथार्थ के धरातल पर उतार कर क्रियान्वयन कैसे किया जाए, इस दिशा में भी कार्य कर रही है। केन्द्र के सभी आचार्यगण शोध कार्य में निपुण तथा अनुभव सम्पदा से परिपूर्ण हैं। केन्द्र के द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली व अन्य संस्थानों द्वारा अनुदानित शोध परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है। केन्द्र द्वारा चलाए जा रहे नियमित मासिक व्याख्यान माला के माध्यम से राष्ट्र के लब्ध प्रतिष्ठित विद्वान् केन्द्र के साथ जुड़ रहे हैं ; इसका लाभ संकाय सदस्यों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष रूप से मिल रहा है। समय-समय पर आयोजित व्याख्यान माला, श्रृंखलाएं, संगोष्ठियों व अन्य ऐसी ही बौद्धिक गतिविधियों से केन्द्र निरंतर समृद्ध हो रहा है।

धर्मशाला

धर्मशाला भारत के हिमाचल प्रदेश राज्य के काँगड़ा ज़िले में स्थित एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन नगर है। यह काँगड़ा जिले का मुख्यालय भी है। धर्मशाला राज्य की शीतकालीन राजधानी है। यह काँगड़ा नगर से 18 किमी की दूरी पर स्थित है । धर्मशाला के मैक्लोडगंज उपनगर में केन्द्रीय तिब्बती प्रशासन का मुख्यालय है। फलत: यह धर्मगुरु दलाई लामा जी का निवास स्थल तथा निर्वासित तिब्बती सरकार की राजधानी भी है। धर्मशाला को भारत सरकार के स्मार्ट सिटीज मिशन के अंतर्गत एक स्मार्ट नगर के रूप में विकसित होने वाले सौ भारतीय नगरों में से एक के रूप में भी चुना गया है। ऐसी मान्यता है कि नगर का नाम धर्मशाला शब्द से उत्पन्न हुआ है। शहर व आसपास के क्षेत्र प्राकृतिक सुन्दरता से परिपूर्ण हैं ।चाय के बगान, डल झील, झरने, मंदिर व अन्य पर्यटन स्थल हैं जहाँ सामान्यतः फिल्मों, धारावाहिकों व एलबमों की शूटिंग होती रहती है । यहां अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम भी है जो विश्वविद्यालय परिसर के समीप है। बसंत पंचमी के उपरांत यहाँ का सौंदर्य और भी मनभावन प्रतीत होता है।

शोधार्थी समिति

अंजना ठाकुर	मूलराज
अंचल धीमान	निधि सिंह
आशीष	शिवम चौहान
अमर कुमार	पल्लवी
दीक्षा कुमारी	यमुना
	सुभद्रा

मुख्य संरक्षक

प्रो. सत प्रकाश बंसल जी, माननीय कुलपति

संगोष्ठी संरक्षक

प्रो. प्रदीप कुमार - अधिष्ठाता शैक्षणिक
प्रो. सुमन शर्मा - कुल सचिव
प्रो. सुनील ठाकुर - अधिष्ठाता छात्र कल्याण
प्रो. अंबरीश कुमार महाजन - परीक्षा नियंत्रक
प्रो. प्रदीप नायर - निदेशक शोध
प्रो. मनोज सक्सेना - विश्वविद्यालय कुलानुशासक
प्रो. नागेश ठाकुर - हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला
प्रो. देव दत शर्मा - हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला
प्रो. विशाल सूद - सचिव, कुलपति, हि.प्र.के.वि.वि
प्रो. संजीत सिंह - अधिष्ठाता, समाज विज्ञान संकाय
प्रो. मोहिंदर सिंह - निदेशक (आईक्यूएसी)
प्रो. वीरेंद्र कौंडल - जम्मू विश्वविद्यालय

शैक्षणिक सलाहकार समिति

प्रो. बी.के. कुठियाला - सुप्रसिद्ध चिन्तक
प्रो. कुलदीप चंद्र अग्निहोत्री -चिन्तक
प्रो. टंकेश्वर कुमार - कुलपति, के.वि.वि. हरियाणा
प्रो. मोहिंदर सिंह - से.नि. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी - निदेशक, दीनदयाल उपाध्याय पीठ, गोरखपुर,विश्वविद्यालय, यू.पी.
प्रो. रोशन लाल शर्मा - अंग्रेज़ी विभाग (हि.प्र.के.वि.वि.)
प्रो. अरुण कुमार शर्मा – अध्यक्ष, दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, (हि.प्र.के.वि.वि.)
प्रो. ए.के. सिंह – हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला
प्रो. प्रमोद कुमार – भारतीय जन संचार संस्थान,नई दिल्ली
प्रो. संजीव गुप्ता - अधिष्ठाता, प्रबंधन संकाय (हि.प्र.के.वि.वि.)
प्रो. आशीष नाग - यात्रा अवं पर्यटन प्रबंधन (हि.प्र.के.वि.वि.)
प्रो. मलकीत सिंह - कश्मीर अध्ययन (हि.प्र.के.वि.वि.)
प्रो. सूर्य रश्मि रावत - प्रबंधन संकाय (हि.प्र.के.वि.वि.)
प्रो. प्रमोद कुमार वाजपेयी – समाज विज्ञान वैज्ञानिक
डॉ. मलकीयत सिंह - हिन्दी विभाग(हि.प्र.के.वि.वि.)
डॉ. अशोक कुमार - हिन्दी विभाग (हि.प्र.के.वि.वि.)
डॉ. क़िस्मत कुमार - अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र (हि.प्र.के.वि.वि.)
डॉ. अमरीक सिंह – सहायक आचार्य (हि.प्र.के.वि.वि.)
डॉ. अमरेन्द्र कुमार - दिल्ली वि.वि.

समन्वयक

डॉ. इंद्र सिंह ठाकुर

संयोजक

डॉ. उदय भान सिंह

सह- संयोजक

डॉ. संजय कुमार
डॉ. सुनीता

आयोजन-सचिव

डॉ. चंद्रशेखर
श्री करतार सिंह

आयोजन टोली

डॉ. सुनील कुमार
डॉ. चर्चित कुमार
डॉ. विकास नड्डा
डॉ. सत्यानंद
श्री कुलदीप सिंह